



एन सी ई आर टी
NCERT

NCERT

National Council Of Educational Research
And Training

NCERT Solutions for 1st Class Hindi: Chapter 22-हाथी चल्लम चल्लम



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for Class 1st Hindi: Chapter 22-हाथी चल्लम चल्लम

Class 1st Hindi Chapter 22 Solutions - Complete Class 1 Hindi Chapter 22 Notes.

NCERT Solutions for Class 1st Hindi: Chapter 22-हाथी चल्लम चल्लम

NCERT 1st Hindi Chapter 22, class 1 Hindi Chapter 22 solutions

कविता का सारांश

कविता 'हाथी चल्लम चल्लम' के रचयिता श्रीप्रसाद हैं। इस कविता में कवि ने एक हौदे में बैठकर बच्चों द्वारा की गई हाथी की सवारी का वर्णन किया है। बच्चे एक हौदे में बैठकर हाथी पर सवार होकर खूब मजे

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>

कर रहे हैं। हाथी हौले-हौले चल रहा है। हाथी की सैंड लंबी है और दाँत भी लंबे-लंबे हैं। अपने सिर को मटकाता, नखरे दिखाता हाथी अपनी मस्त चाल में चला जा रहा है। जब हाथी चलता है। तो उसकी पर्वत जैसी देह थुलथुल कर हिलती है। हाथी के पाँव खंभे की तरह भारी हैं। हाथी अपने पैरों की 'धम्म-धम्म' की आवाज़ के साथ आगे बढ़ रहा है। बच्चे कह रहे हैं कि हाथी के जैसी कोई सवारी नहीं है। हाथी का महावत पगड़ी बाँधकर बैठा है। हम बच्चे हाथी पर हौदे में बैठे हैं। बच्चे कह रहे हैं। कि हम हाथी पर सवार होकर दिनभर घूमेंगे। पहले तो बच्चे हाथी को नाचने के लिए कहते हैं, फिर यह कहकर वे मना कर देते हैं कि कहीं वे गिर न जाएँ।

काव्यांशों की व्याख्या

1. हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम,

हम बैठे हाथी पर, हाथी हल्लम हल्लम।

लंबी लंबी लँड फटाफट, फट्टर फट्टर

लंबे लंबे दाँत खटाखट, खट्टर खट्टर।

भारी भारी बँड मटकता. झम्मम झम्मम,

हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

शब्दार्थ: हौदा-हाथी की पीठ पर कसा जाने वाला आसन, जिस पर बैठकर लोग सवारी करते हैं। मूँड़-सिर।।

प्रसंग: प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता "हाथी चल्लम चल्लम" से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता श्रीप्रसाद हैं। इसमें उन्होंने हाथी की सवारी करते बच्चों के उमंग और उत्साह को व्यक्त किया है।

व्याख्या: उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि बच्चे हाथी के ऊपर हौदे में सवार होकर उसकी सवारी कर रहे हैं। हाथी की सैंड और दाँत लंबे हैं। अपने भारी भरकम सिर को मटकाता हुआ हाथी बढ़ता जा रहा है।

2. पर्वत जैसी देह थुलथुली, थल्लम थल्लम

हालर हालर देह हिले, जब हाथी चल्लम

खंभे जैसे पाँव धपाधप, बढ़ते धम्मम,

हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>

हाथी जैसी नहीं सवारी, अगगड़े-बगगड़

पीलवान पुच्छन बैठा है, बाँधे पगगड़

बैठे बच्चे बीच सभी हम, डगगम डगगम,

हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

शब्दार्थ: देह-शरीर। थुलथुल-मोटाई के कारण ढीला या हिलता हुआ शरीर। पीलवान-महावत। पगगड़-पगड़ी।

प्रसंग: पूर्ववत।

व्याख्या: हाथी का शरीर पर्वत जैसा है। जब वह चलता है तो उसका भारी-भरकम शरीर हिलता है। उसके खंभे जैसे पाँव धपाधप करते हुए बढ़ रहे हैं। हाथी जैसी कोई सवारी नहीं है हाथी का महावत पगड़ी बाँधकर बैठा है। बच्चे कह रहे हैं कि हम सब हाथी के ऊपर हौदे में बैठे हैं।

3. दिनभर घूमेंगे हाथी पर, हल्लर हल्लर

हाथी दादा, जरा नाच दो, थल्लर थल्लर

अरे नहीं, हम गिर जाएँगे धम्मम धम्मम,

हल्लम हल्लम हौदा, हाथी चल्लम चल्लम।

शब्दार्थ: जरा-थोड़ा, कम।

प्रसंग: पूर्ववत।

व्याख्या: बच्चे कह रहे हैं कि हम लोग दिनभर हाथी पर घूमेंगे। बच्चे हाथी दादा से नाचने के लिए भी कहते हैं। पर फिर बच्चे कहते हैं कि नहीं, यदि हाथी दादा नाचेंगे तो हम गिर जाएँगे। वे हाथी को नाचने से मना करते हैं।

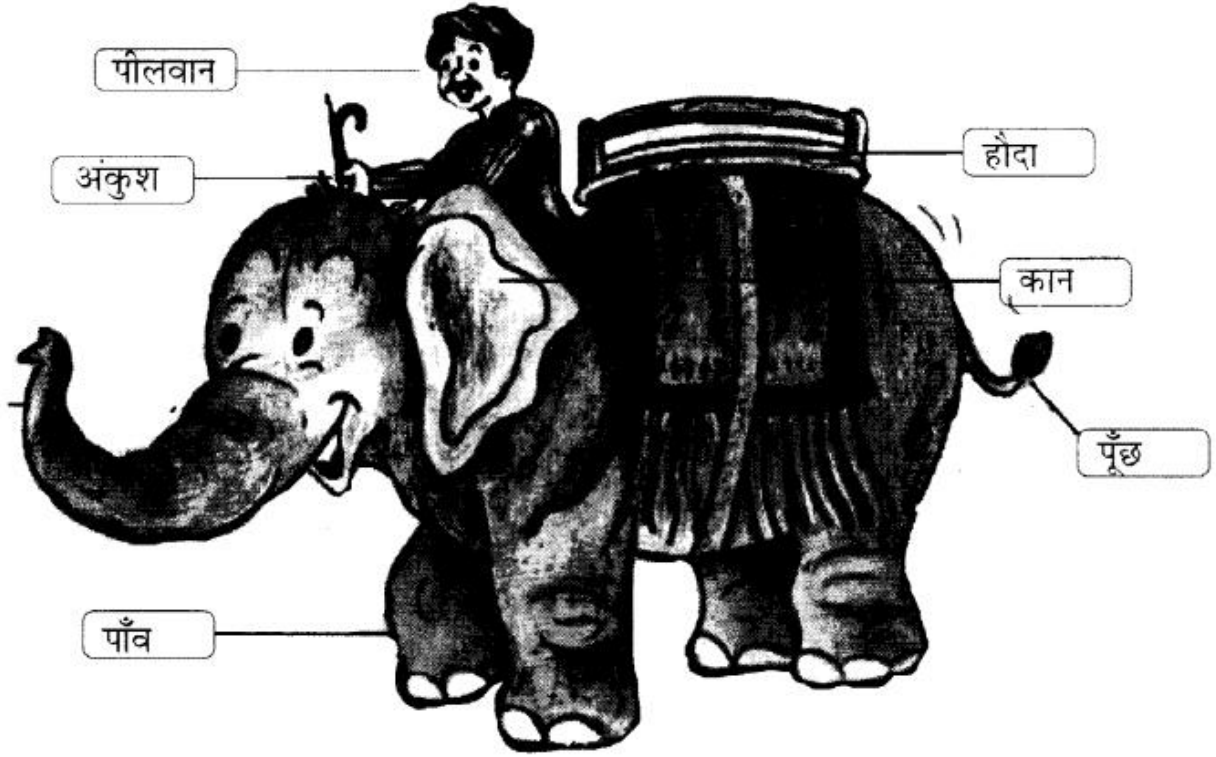
प्रश्न-अभ्यास

(पाठ्यपुस्तक से)

हाथी मेरे साथी

बताओ तो जानें

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>



कौन कैसा?

कविता पढ़कर बताओ।

हाथी 'चल्लम चल्लम

सँड फट्टर फट्टर

खट्टर खट्टर दाँत

लंबी लंबी सूँड़

देह थुलथुली थल्लम थल्लम

पाँव धपाधप,

बच्चे, डग्गम डग्गम

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 1 Hindi :

- Chapter 1 – झूला
- Chapter 2 – आम की कहानी
- Chapter 3 – आम की टोकरी
- Chapter 4 – पत्ते ही पत्ते
- Chapter 5 – पकौड़ी
- Chapter 6 – छुक-छुक गाड़ी
- Chapter 7 – रसोईघर
- Chapter 8 – चूहो! म्याऊँ सो रही है
- Chapter 9 – बंदर और गिलहरी
- Chapter 10 – पगड़ी
- Chapter 11 – पतंग
- Chapter 12 – गेंद-बल्ला
- Chapter 13 – बंदर गया खेत में भाग
- Chapter 14 – एक बुढ़िया
- Chapter 15 – मैं भी.....
- Chapter 16 – लालू और पीलू
- Chapter 17 – चकई के चकदुम
- Chapter 18 – छोटी का कमाल
- Chapter 19 – चार चने
- Chapter 20 – भगदड
- Chapter 21 – हलीम चला चाँद पर
- Chapter 22 – हाथी चल्लम चल्लम
- Chapter 23 – सात पूँछ का चूहा

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](#) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-1st-class-hindi-chapter-22-haathi-challam-challam/>